



"क्या तुमने नहीं देखा कि अल्लाह ने आकाश से कुछ पानी उतारा। फिर उसे स्रोतों के रूप में धरती में चलाया। फिर वह उसके साथ विभिन्न रंगों की खेती निकालता है। फिर वह सूख जाती है, तो तुम उसे पीली देखते हो। फिर वह उसे चूरा-चूरा कर देता है। निःसंदेह इसमें बुद्धि वालों के लिए निश्चय बड़ी सीख है।" [132] [सूरा अल-ज़ुमर : 21] आधुनिक विज्ञान द्वारा खोजे गए जल चक्र का वर्णन 500 साल पहले किया गया था। इससे पहले, लोगों का मानना था कि पानी समुद्र से आता है और भूमि में प्रवेश करता है और इस प्रकार झरने और भूजल का निर्माण होता है। यह भी माना जाता था कि मिट्टी में नमी संघनित होकर पानी बनाती है। जबकि 1400 साल पहले कुरआन में साफ तौर पर बताया गया है कि पानी कैसे बनता है।

"क्या जिन लोगों ने कुफ़्र किया यह नहीं देखा कि आकाश और धरती दोनों मिले हुए थे, फिर हमने दोनों को अलग-अलग कर दिया, तथा हमने पानी से हर जीवित चीज़ को बनाया? तो क्या ये लोग ईमान नहीं लाते?" [133] [सूरा अल-अंबिया : 30] केवल आधुनिक विज्ञान ही यह पता लगाने में सक्षम हुआ है कि जीवन पानी से बना है और पहली कोशिका का मुख्य घटक पानी है। यह जानकारी गैर-मुस्लिमों को नहीं थी। इसी तरह पादप दुनिया में संतुलन के बारे में भी उनको पता नहीं था। परन्तु कुरआन ने इसको बयान कर दिया, ताकि यह प्रमाणित हो कि मुहम्मद -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम- अपनी इच्छा से कुछ नहीं बोलते थे।

"और निःसंदेह हमने मनुष्य को तुच्छ मिट्टी के एक सार से पैदा किया। फिर हमने उसे वीर्य बनाकर एक सुरक्षित स्थान में रखा। फिर हमने उस वीर्य को एक जमा हुआ रक्त बनाया, फिर हमने उस जमे हुए रक्त को एक बोटी बनाया, फिर हमने उस बोटी को हड्डियाँ बनाया, फिर हमने उन हड्डियों को कुछ माँस पहनाया, फिर हमने उसे एक अन्य रूप में पैदा कर दिया। तो बहुत बरकत वाला है अल्लाह, जो बनाने वालों में सबसे अच्छा है।" [134] [सूरा अल-मोमिनून : 12-14] कनाडा के वैज्ञानिक कीथ मूर को दुनिया के सबसे प्रमुख शरीर रचना विज्ञानियों और भ्रूणविज्ञानियों में से एक माना जाता है। उन्होंने कई विश्वविद्यालयों की कई विशिष्ट वैज्ञानिक यात्राएं की हैं और कई अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक संगठनों की अध्यक्षता की है, जैसे कनाडा और अमेरिका में शरीर रचना विज्ञानियों और भ्रूणविज्ञानियों का संगठन और बायोसाइंसेज संघ की परिषद। उन्हें कनाडा की रॉयल मेडिकल सोसाइटी, इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ साइटोलॉजी, अमेरिकन फेडरेशन ऑफ फिजिशियन ऑफ एनाटॉमी और फेडरेशन ऑफ अमेरिका इन एनाटॉमी का सदस्य भी चुना गया था। कीथ मूर ने 1980 में पवित्र कुरआन और भ्रूण के निर्माण से संबंधित उसकी आयतों -जो सभी आधुनिक विज्ञानों से पहले आई थीं- को पढ़ने के बाद इस्लाम ग्रहण करने की घोषणा की। वह इस्लाम ग्रहण करने की अपनी कहानी बयान करते हुए कहते हैं : मुझे वैज्ञानिक चमत्कारों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था, जो सत्तर के दशक के अंत में मास्को में आयोजित किया गया था। कुछ मुस्लिम विद्वानों के ब्रह्मांड से संबंधित आयतों और विशेष रूप से अल्लाह तआला की इस

